PAPER – II

पत्र – II

SANTHALI LANGUAGE AND LITERATURE

संताली भाषा और साहित्य

Full Marks : 150 | **Time : 3 Hours**

पूर्णांक : 150 | **समय : 3 घंटे**

निर्देश :

(1) जोजोम नाखा रे पूर्णांक एम आकाना ।

(2) कुकली साकाम बार हिंस रे हाटिञ आकाना भाग – A रे मुट पुनया कुकली (कुकली लेखा 01 खोन 04) आर भाग – B रे मुट पुनया कुकली (कुकली लेखा 05 खोन 08) मेनाक् – आ ।

(3) मुट तुरूय गोटाङ कुकली रेयाक् उत्तर एममें । कुकली लेखा 01 आर कुकली लेखा 05 आक् उत्तर एमोक् निहात् लाकती काना ।

(4) निहात् लाकतीयानाक् कुकली लेखा 01 आर कुकली लेखा 05 रेदो मुट एयाय-एयाय कुकली मेनाक् आ । मुट एयाय-एयाय कुकली को मुदखोन मोड़ें-मोड़ें कुकली को रेयाक् उत्तर एमोक् दो निहात् लाकती काना ।

(5) निहात् लाकतीयानाक् कुकली लेखा 01 आर कुकली लेखा 05 आक् छाड़ा काते जोतो खण्ड खोन कोम से कोम मित्टाङ आर मुट पुनया कुकली रेयाक् उत्तर एममें ।

निर्देश :

(1) हाशिये में पूर्णांक दिये गये हैं ।

*(2) प्रश्न–पत्र दो भागों में विभक्त हैं । **भाग – A** में कुल **चार** प्रश्न (प्रश्न सं. 01 से 04) एवं **भाग – B** में कुल **चार** (प्रश्न सं. 05 से 08) हैं ।*

*(3) कुल **छह** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रश्न संख्या 01 एवं प्रश्न सं. 05 का उत्तर देना **अनिवार्य** हैं ।*

*(4) **अनिवार्य** प्रश्न संख्या 01 एवं प्रश्न संख्या 05 के अंतर्गत कुल **सात–सात** प्रश्न हैं । कुल **सात–सात** प्रश्नों में से **पाँच–पाँच** प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य हैं ।*

*(5) **अनिवार्य** प्रश्न संख्या 01 एवं प्रश्न संख्या 05 के अतिरिक्त प्रत्येक खण्ड में से कम से कम **एक** एवं कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

Marks
अंक

भाग – A

1. लातार रे एम आकान कुकली को मुदखोन जाहाँ गे मोड़ें गोटाङ (5) कुकली रेयाक् तेला ओलमें । (5×7=35)

(क) संताली पारसी रेयाक् ओनोरोम ओलमें ।

(ख) संताली सॉवहेत् हारा बुरू रे ''बेनागाड़िया मिशन'' रेयाक् एनेम ओलमें ।

Marks
अंक

(ग) कुदुम दो ओका को मेताक् काना ? कुदुम मेन माड़ाङ ''कुदुम रे कुडित्-कुडित्'' चेदाक् को मेना ? ओलमें ।

(घ) संताली होड़ सॉवहेत् रेयाक् गुनागुणको ओलमें ।

(ङ) लाँगड़े दो ओका जोहोक् आर चेदाक् को एनेच् आर सेरेञा ? ओलमें ।

(च) पारसी रेयाक् टोठारिया रूप (क्षेत्रीय रूप) मेनते चेत् एम बुझावेदा ? पारतुल सालाक् ओलमें ।

(छ) संताल कोवाक् तिनाक् पारिस मेनाक्-आ ? पारिस चिनहा सालाक् ओल सोदोर में ।

2. साधु रामचाँद मुर्मूवाक् ''लिटा गोडेत्'' पुथी रेयाक् सार काथा ओलमें । 20

3. संताली पौराणिक सॉवहेत् लेकाते ''काराम बिनती'' रेनाक् काहनी काथा ओलमें । 20

4. नाटक दो चेत्को मेताक् काना ? संताली नाटक रेयाक् आसोल-आसोल तेतेद दो चेत् को काना ? पुस्टाव ते ओलमें । 20

भाग - B

5. लातार रे एम आकान कुकली को मुदखोन जाहाँ गे मोड़े गोटाङ (5) कुकली रेयाक् तेला ओलमें । (5×7=35)

(क) संताली सॉवहेत् हाराबुरू रे एटाक् भारोतिया सॉवहेत् रेयाक् ओका-लेकान तारास मेनाक्-आ ? ओलमें ।

(ख) माँझी रामदास टुडूवाक् खाटो सॉवहेदिया ओपरोम ओलमें ।

(ग) संताली सॉवहेत् हारा राकाप् रे ठाकुर प्रसाद मुरमूवाक् एनेम ओलमें ।

(घ) नाथनियल मुरमूवाक् सॉवहेत् जियोन खाटो ते ओलमें ।

(ङ) नारायण सोरेन तोड़ेसुतामाक् संताली सॉवहेत् रे एनेम खाटो ते ओलमें।

(च) "कविगुरु रवीन्द्रनाथ ठाकुराक् "गीताञ्जली" बाङला सॉवहेत् रेयाक् ओमोर काव्यकानखान किरतान काली हों संताली तेयाक् ओमोर काव्य कान गेया।" - नोवा काथा रेयाक् भेदतेत् ओलमें।

(छ) सानताड़ सॉवता रे ज़ोगमाझियाक् कामी होरा ओलमें।

6. "संताली पाथाम सॉवहेत् रेयाक् दोसा आर दिशा" - नोवा विसोय चेतान मित्टाङ ओनोल ओलमें। 20

7. डोमोन हाँसदा ओलाक् "आतु ओड़ाक्" उपन्यास रे ओका लेका सॉवता रेयाक् बाड़िजाक् कोय साहा गिडी आकादा ? ओनाको ओल सोदोर में। 20

8. संताली पारसी ते तोरजोमाय (अनुवाद) में :

मनुष्य को जिसकी प्राप्ति से तृप्ति मिलती है, उसी से उसे आनन्द मिलता है। यह न केवल आध्यात्मिक है, न केवल सामाजिक, न केवल भौतिक। इसीलिए केवल आध्यात्मिक या केवल सामाजिक या केवल भौतिक सुख से मनुष्य तृप्त नहीं हो पाता। वह इन तीनों को एक साथ चाहता है। इन तीनों बिन्दुओं को मिला देने की साधना ही जीवन की सिद्धि है, यही त्रिपुर-रहस्य है, त्रिक्-दर्शन है; इच्छा, क्रिया और ज्ञान के लय का मार्ग यही है। 20